MA (Sem-II) POL. SCIENCE Dr. B. P. K. Yadav
MPOLCC-05

LEADERSHIP [नेतृत्व]

स्वस्थ और कुशल नेतृत्व प्रशासन की प्रथम आवश्यकता है। कुशल एवं प्रभावशाली नेतृत्व का अर्थ है – मानवीय प्रयासों का सही दिशा में सामूहिक संचालन। कुशल प्रशासक अपने व्यक्तित्व, अनुभव, ज्ञान तथा व्यवहार कौशल के कारण सभी को स्वीकार्य होता है और संगठन के सदस्य उससे आदेश, प्रेरणा व निर्देश प्राप्त करना स्वीकार कर लेते हैं। नेतृत्व वास्तव में ऐसा गुण है जो व्यक्तियों को किसी संगठन के प्रति निष्ठावान बनाए रखता है। यह प्रभावित करने की कला है। अपने अधीन व्यक्तियों को सामूहिक प्रयत्नों में अधिकतम योगदान करने के लिए प्रेरित करना नेतृत्व है।

परिभाषा :– नेतृत्व की परिभाषा देना सरल नहीं है। नेतृत्व को प्रायः व्यक्तिगत प्रसिद्धि समझ लिया जाता है जो गलत है। शब्दकोष के अर्थों के अनुसार नेतृत्व करना (To lead) क्रिया के दो अर्थ हैं– (i) सर्वोत्तम होना, अग्रणी होना, प्रसिद्ध होना तथा (ii) दूसरों का मार्गदर्शन करना, किसी संस्था का अध्यक्ष होना, बागडोर सँभालना। इस प्रकार व्यक्तिगत नेतृत्व और प्रबंधकीय नेतृत्व (managerial leadership) दो अलग-अलग बातें हैं। एलन (Allen) ने दोनों का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा है कि "निजी नेतृत्व के गुणों सहित व्यक्ति का जन्म होता है किंतु प्रबंधकीय नेतृत्व के गुण उसे सीखने पड़ते हैं।" नेतृत्व की कुछ परिभाषाएँ इस प्रकार हैं–

लिविंग्स्टन (Livingston) के अनुसार, "सामान्य उद्देश्यों को मानने की अन्य व्यक्तियों में जिज्ञासा की जागृति की योग्यता को नेतृत्व कहते हैं।"

टेरी (Terry) के अनुसार "पारस्परिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए तत्परता से प्रयत्न करने के लिए नेतृत्व लोगों को प्रभावित करने की क्रिया है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि नेतृत्व एक दी हुई स्थिति में लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में किसी व्यक्ति या समूह के प्रयासों को प्रभावित करने की प्रक्रिया का नाम है।

नेतृत्व के लक्षण (Characteristics of Leadership) – नेतृत्व के निम्नलिखित लक्षण हैं–

Scanned with CamScanner

1.) नेता वही है जिसके अनुयायी हों और वे स्वाभाविक रूप से आज्ञापालन करते रहें।

2.) नेता तथा उसके अनुयायियों में क्रियात्मक संबंध होना चाहिए। यदि नेता तेज-तर्रार नहीं है तो संगठन से इसका प्रभाव समाप्त हो जाता है।

3.) नेता को अपने व्यक्तिगत आचरण से अपने अनुयायियों के समक्ष शुद्ध आचरण तथा ईमानदारी का एक आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

4.) नेतृत्व प्रमुख लामबंदकर्ता होता है। विभिन्न प्रकार के विचारों एवं दृष्टिकोणों में तालमेल बिठाना नेता का कार्य है। इस प्रकार ~~नेतृत्व का~~ नेतृत्व की विशेषताएँ हैं— 1.) अनुयायियों (Followers) को एकत्र करना
2.) आचरण एवं व्यवहार को प्रभावित करना
3.) पारस्परिक संबंध तथा
4.) सामूहिक लक्ष्य

नेतृत्व की प्रविधि (Techniques of Leadership)— ये निम्नलिखित हैं—

1.) सहयोग प्राप्त करना (Securing Cooperation)
2.) शक्ति का प्रयोग (Use of Power)
3.) समन्वय एवं आदेश (Coordination and command)
4.) अनुशासन बनाए रखना (Maintaining discipline)
5.) उच्च मनोबल (High Moral)

नेतृत्व के कार्य (Functions of Leadership)— नेतृत्व के कार्यों के संबंध में विद्वानों में सहमति नहीं है। लोकतंत्रात्मक नेतृत्व के समर्थकों के विचार से नेता का आवश्यक कार्य एकता लाना तथा यह सुनिश्चित करना कि अनुयायी संतुष्ट तथा प्रसन्न रहे। नेतृत्व के कार्य इस प्रकार हैं—

1.) पहल करना (To initiate)
2.) प्रतिनिधित्व करना (To represent)
3.) प्रशासकीय कार्यों का संपादन (Disposal of administrative functions)
4.) व्याख्या करना (To interpret)
5.) उद्देश्य निश्चित करना (To fix-up the objectives)
6.) संगठन में एकता (Unity in organisation)
7.) अनुयायियों को समझाना (To listen the followers)
8.) निर्णय करना (To make decision)

Scanned with CamScanner

9.) कार्यों का मूल्यांकन (Evaluation of work)
10) नैतिक भावनाओं को प्रोत्साहित करना (To encourage Moral feelings)

नेतृत्व के गुण (Qualities of Leadership) –
लोक प्रशासन में किसी भी प्रशासनिक उपक्रम की सफलता उस उपक्रम के प्रबंधकों के नेतृत्व पर संबंधी गुणों पर निर्भर करती है। यदि संगठन में सफल नेतृत्व होता है और उसमें अपेक्षित गुण पाए जाते हैं तो संगठन अथवा उपक्रम के इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। फेयोल (Fayol) ने नेतृत्व के निम्नलिखित गुणों का उल्लेख किया है – स्वास्थ्य एवं शारीरिक क्षमता, समझदारी एवं मानसिक शक्ति, नैतिक गुण, समानता तथा प्रबंधकीय योग्यता।
उर्विक (Urwick) ने नेतृत्व के पांच प्रमुख गुणों पर बल दिया है – साहस, इच्छा शक्ति, लोचशीलता, ज्ञान तथा ईमानदारी।
विस्तृत रूप से नेतृत्व में निम्नलिखित गुण होने चाहिए:
1.) आत्म विश्वास (Self confidence)
2.) सहिष्णुता (Tolerance or endurance)
3.) संप्रेषण की योग्यता (Ability to communicate)
4.) सत्य निष्ठा (Integrity)
5.) निर्णायकता (Decisiveness
6.) विचारों में लोचशीलता (Flexibility of mind)
7.) उत्तर दायित्व (Responsibility)
8.) समझदारी (Intelligence)
9.) जोखिम उठाने की क्षमता (Risk-bearing capacity)
10) नैतिकता की भावना (Moral sensibility)

नेतृत्व के प्रकार (Types of Leadership) – नेतृत्व अनेक क्षेत्रों में यथा राजनीतिक, धार्मिक, मानवीय, औद्योगिक आदि में पाया जाता है यहां अध्ययन का संबंध केवल प्रशासकीय नेतृत्व (Administrative leadership) की समस्याओं से है जो इस प्रकार है:
1.) औपचारिक नेतृत्व (Formal leadership)
2.) अनौपचारिक नेतृत्व (Informal leadership)
3.) ~~Au~~ सत्तावादी नेतृत्व (Authoritarian leadership)

Scanned with CamScanner

4.) प्रजातांत्रिक नेतृत्व (Democratic leadership)
5.) वाह्य नेतृत्व (External leadership)
6.) आंतरिक नेतृत्व (Internal leadership)
7.) सृजनात्मक नेतृत्व (Creative leadership)

Dr. P. K. Yadav (Pol. Sc.)

Scanned with CamScanner